

चिपचिपा पदार्थ रखकर दाने डाले जाते हैं दाना खाने के लिए आए पक्षियों के पैर लासा में चिपक जाते हैं।

शुकनामा पुं. (तत्.) दे. शुकद्रुम।

शुकनाशन पुं. (तत्.) एक ऐसा बरसाती पौधा जिस की छाल और पत्तियों को औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, चकवैड का पौधा।

शुकनास वि. (तत्.) 1. तोते की चोंच जैसी नाक वाला पुं. एक ऊँचा वृक्ष, सोना पाठा, श्योनाक वृक्ष।

शुकनासिका स्त्री. (तत्.) तोते की नाक, सुग्गे की ठोर जैसी नाक।

शुकपठन पुं. (तत्.) अर्थ को समझने पर जोर न देकर पाठ को पढ़ कर याद करने का कार्य, रट्टा लगाने का कार्य, पढ़े हुए अंश को यथावत बोलने का कार्य।

शुक पाठक पुं. (तत्.) अर्थ समझने पर बल न देकर पाठ को मात्र याद करने वाला व्यक्ति, रट्टेबाज, रट्टाखोर, पढ़े हुए अंश को यथावत कहने वाला व्यक्ति।

शुकपुच्छ पुं. (तत्.) 1. तोते की पूँछ 2. तोते की पूँछ जैसी सुंदर रंगीन और लम्बी कतरन 2. गंधक।

शुकपुष्प पुं. (तत्.) 1. गाँठदार तथा सुगंध वाली झाड़ी का एक रूप, औषधि के रूप में इस्तेमाल, शिरीष वृक्ष 2. गंधक।

शुकप्रिय वि. (तत्.) 1. तोते को अच्छा लगने वाला पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का खट्टा फल, कमरख 2. शिरीष का वृक्ष, सिरिस का वृक्ष 3. अगस्त का पेड़।

शुकवर्ह पुं. (तत्.) एक विशेष प्रकार की गंध।

शुकवल्लभ पुं. (तत्.) दाँत के आकार का जैसे-दानों से भरा हुआ, सख्त छिलके वाला क्रिकेट की गेंद जितना बड़ा फल, अनार, दाडिम, तोते का पसंदीदा फल।

शुकवाक् वि. (तत्.) तोते जैसी मीठी वाणी वाला, मधुर बोली बोलने वाला।

शुकाख्या पुं. (तत्.) सुआठोंठी का पौधा।

शुकादन पुं. (तत्.) अनार, दाडिम।

शुकानना स्त्री. (तत्.) दे. शुकाख्या।

शुकायन पुं. (तत्.) गौतम बुद्ध, अर्हत।

शुकी स्त्री. (तत्.) 1. तोते की मादा, तोती, सुग्गी 2. कश्यप मुनि की पत्नी का नाम।

शुकेष्ट पुं. (तत्.) शिरीष वृक्ष।

शुकोदर पुं. (तत्.) तालीश पत्र (एक पहाड़ी वृक्ष जिसका पत्ता औषध के काम आता है) भुईँ आँवला।

शुकोह पुं. (फा.) भय, आतंक, दबदबा (दाराशुकोह)।

शुकका पुं. (अ.) शाही फरमान, आदेश पत्र, हुक्मनामा राजाजा।

शुक्त पुं. (तत्.) 1. उज्ज्वल, विशुद्ध, स्वच्छ 2. अम्ल, खट्टा, खटाई 3. काँजी (वह वस्तु जो कुछ दिन रहने के कारण खट्टी हो गई हो) 4. सिरका 5. वसिष्ठ का एक पुत्र 6. कर्कश, कठोर 7. परित्यक्त 8. एकाकी 9. मांस वि. 1. चमकदार 2. पवित्र।

शुक्ति स्त्री. (तत्.) 1. सीप 2. सीप का खोल 3. शंख 4. छोटी सीप 5. कपाल खंड 6. घोड़े की गर्दन पर बालों का घूंघर/भौंरी 7. एक प्रकार का गंधद्रव्य 8. एक नेत्र रोग 9. अर्श रोग 10. दो कर्ष अथवा चार तोले के बराबर एक तौल।

शुक्तिक पुं. (तत्.) एक नेत्ररोग।

शुक्तिका स्त्री. (तत्.) 1. सीप 2. चूक का साग।

शुक्तिज पुं. (तत्.) सीप में उत्पन्न मोती।

शुक्तिपुट पुं. (तत्.) सीप का खोल।

शुक्तिबीज पुं. (तत्.) मोती।

शुक्तिविज्ञान पुं. (तत्.) प्राणि.वि. प्राणीविज्ञान की एक शाखा जिसमें अकशेरुकी (मेरुदण्ड रहित) वर्ग के प्राणियों का अध्ययन किया जाता है।